



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

PO-400
km. 30
Depth-150
CPB-220

सं. 234]
No. 234]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 21, 2004/वैशाख 31, 1926
NEW DELHI, FRIDAY, MAY 21, 2004/VAISAKHA 31, 1926

पूरा किया

पोत परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 मई, 2004

प्रभारी
रा. वि. एकक

सा.का.नि. 341(अ).— केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मुम्बई पत्तन न्यास के न्यासी मंडल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में दर्शित मुम्बई पोर्ट ट्रस्ट (निवृत्ति वेतन निधि) विनियम 2004 का अनुमोदन करती है।

2. ये विनियम इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

अनुसूची

मुम्बई पोर्ट ट्रस्ट (निवृत्ति वेतन निधि)

विनियम, 2004

महापत्तन न्यास अधिनियम 1963 (1963 का 38) की धारा 28 के खंड (बी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए और उक्त अधिनियम की धारा 124 की उपधारा (1) की आवश्यकतानुसार केन्द्र सरकार का अनुमोदन से मुम्बई पोर्ट ट्रस्ट का न्यासी मंडल निम्नलिखित विनियम बनाता है, जैसे-

1. लघु शीर्षक एवं प्रारंभ -

- (1) ये विनियम "मुंबई पोर्ट ट्रस्ट (निवृत्ति वेतन निधि) विनियम, 2004" कहलाए जाएंगे.
- (2) ये विनियम भारत का राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे.

2. परिभाषाएँ : इस विनियम में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

- (ए) "अधिनियम" अर्थात् महापत्तन न्यास अधिनियम 1963 (1963 का 38);
- (बी) "मंडल" अर्थात् मुंबई पत्तन का न्यासी मंडल;
- (सी) "अध्यक्ष" अर्थात् मंडल के अध्यक्ष;
- (डी) "उपाध्यक्ष" अर्थात् मंडल के उपाध्यक्ष;
- (ई) "वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी" अर्थात् मंडल के वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी या लेखा विभाग के ऐसे अधिकारी, या ऐसे अधिकारीगण जिन्हें, अध्यक्षजीने विशिष्ट कारण या कारणों के लिए समय समय पर नामित किया हो;
- (एफ) "सचिव" अर्थात् मंडल के सचिव अथवा सचिव विभाग के ऐसे अधिकारी अथवा अधिकारीगण, जिन्हें अध्यक्षजीने समय समय पर विशिष्ट कारण या कारणों के लिए नामित किया हो;
- (जी) "पत्तन श्रमिक के प्रतिनिधित्व करनेवाले मंडल के न्यासी" अर्थात् पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा समय-समय पर पत्तन श्रमिक के प्रतिनिधित्व के लिए नियुक्त किये गये न्यासी;
- (एच) "कर्मचारी" अर्थात् मंडल का स्थायी अथवा अस्थायी कर्मचारी जो सेवानिवृत्त या अधिवार्षित हुआ या जिसने त्यागपत्र दिया या जो दिवंगत हुआ या जिसे वैद्यकीय कारणों से मंडल की सेवा से अयोग्य ठहराया गया या जिसे मंडल के सक्षम अधिकारी ने सेवा से पदच्युत या निष्कासित अथवा अनिवार्यतः निवृत्त किया लेकिन इस में प्रतिनियुक्ति पर मंडल की सेवा में आया हुआ केंद्र या राज्य सरकार या स्थानीय संस्था या अन्य प्राधिकरण का स्थायी अथवा अस्थायी कर्मचारी का समावेश नहीं है;

- (आय) "निधि" अर्थात् निम्नलिखित विनियम 3 के अंतर्गत स्थापित मुंबई पोर्ट ट्रस्ट निवृत्ति वेतन निधि;
- (जे) "सर्वसाधारण खाता" अर्थात् मंडल का सर्वसाधारण खाता;
- (के) "निवृत्ति वेतन विनियम" अर्थात् निवृत्ति वेतन, उपदान तथा निवृत्तिवेतन का रूपांतरण, परिवार पेंशन, सानुग्रह निवृत्तिवेतन प्रदान करने के लिए किए गए मुंबई पोर्ट ट्रस्ट निवृत्ति वेतन विनियम के सभी प्रावधान और केन्द्र सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए आदेश;
- (एल) 'भविष्य निर्वाह निधि विनियम' अर्थात् अंशदायी भविष्य निर्वाह निधि के अंतर्गत अपना अंशदान देनेवाले कर्मचारियों के निर्वाह निधि खातों में मंडल के विशेष अंशदान जमा करने हेतु समय समय पर यथासंशोधित मुंबई पोर्ट ट्रस्ट निर्वाह निधि संबंधी सभी प्रावधान;
- (एम) "न्यासी" अर्थात् निवृत्तिवेतन निधि के प्रथम न्यासी अथवा उनका/उनके उत्तराधिकारी या अन्य न्यासी अथवा इस निधि के वर्तमान न्यासी;
- (एन) "न्यास" अर्थात् जिस के तहत निवृत्ति वेतन निधि स्थापित किया वह न्यास;

3. निधि की स्थापना

अप्रतिसंहार्य निवृत्तिवेतन निधि न्यास विलेख बनाने के पश्चात् "मुंबई पोर्ट ट्रस्ट निवृत्ति वेतन निधि" नाम से एक निधि गठित किया जाए. जिसमें निम्नलिखित राशियाँ जमा की जाएगी.

- (ए) निवृत्तिवेतन निधि की संचित जमा राशि जो आयकर नियम 1962 के नियम 88 में प्रारंभिक अंशदान के लिए तय की गयी राशि से अधिक न हो.
- (बी) निवृत्तिवेतन, निवृत्तिवेतन की रूपांतरित राशि, मृत्यु तथा निवृत्ति उपदान/ "उपदान भुगतान अधिनियम 1972" के तहत देय उपदान, परिवार पेंशन, निवृत्तिवेतन के समेकन और /अथवा पुनरीक्षण के कारण देय बकाया राशि, अंशदायी भविष्य निर्वाह निधि से नियंत्रित कर्मचारियों के भविष्य निधि खाते में विशेष अंशदान, सानुग्रह निवृत्तिवेतन आदि विविध भुगतान तथा नीचे विनियम 5 में दर्शाए भुगतान आदि की भविष्यगत देयताएं पूरी करने के लिए सर्वसाधारण खाते से अध्यक्ष द्वारा तय किया वार्षिक अनुदान जिसकी राशि आयकर नियम 1962 के नियम 87 में विनिर्दिष्ट सामान्य वार्षिक अनुदान राशि से अधिक न हो.
- (सी) निधि के निवेशों पर ब्याज तथा लाभ.
- (डी) अंशदायी भविष्य निधि योजना से नियंत्रित उन कर्मचारियों के संबंध में मंडल का संचित अंशदान जिनके मामले निवृत्तिवेतन योजना के अंतर्गत निपटाए गए हैं.

(ई) निवृत्ति वेतन आदि का अतिरिक्त भुगतान हुआ हो तो ऐसे भुगतान की वापस अथवा वसूल की गयी राशि.

(एफ) निधि के लिए उपहार या दान के रूप में दी गई अन्य कोई राशि.

(जी) अन्य प्राप्तियाँ.

4. निधि का विनियोग

निधि का विनियोग निवृत्ति वेतन निधि न्यास द्वारा किया जाएगा. इस विनियम के अनुलग्नक न्यास विलेख के अनुसार अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, वि.स. एवं मु.ले.अ. , सचिव तथा पत्तन श्रमिक के प्रतिनिधित्व करनेवाले मंडल के दो न्यासी निवृत्ति वेतन निधि न्यास के प्रथम न्यासी रहेंगे.

5. निधि से व्यय

इस निधि से व्यय निम्नलिखित में से किसी एक अथवा अधिक उद्देश्यों के लिए किया जाएगा.

- (ए) कर्मचारी अथवा उसके परिवार सदस्य अथवा उसपर निर्भर व्यक्ति/ कानूनी वारिसों को निवृत्ति वेतन विनियम के तहत यथा देय निवृत्ति वेतन तथा परिवार पेंशन तथा उसपर आवधिक सहायकता राशि का भुगतान जिस प्रकार हो.
- (बी) कर्मचारी अथवा उसके परिवार सदस्य अथवा उसपर निर्भर व्यक्ति/ कानूनी वारिस को लागू निवृत्ति वेतन विनियम के तहत उपदान, मृत्यु एवं निवृत्ति उपदान/उपदान भुगतान अधिनियम 1972 के तहत देय उपदान आदि का भुगतान जिस प्रकार हो.
- (सी) निवृत्तिवेतन धारक को निवृत्तिवेतन विनियम के तहत यथा देय सेवानिवृत्ति वेतन के रुपान्तरण मूल्य की एकमुश्त राशि का भुगतान.
- (डी) निवृत्तिवेतन का समेकन तथा/ अथवा पुनरीक्षण के कारण बकाया निवृत्तिवेतन का भुगतान.
- (ई) अंशदायी भविष्य निर्वाह निधि योजना में समाविष्ट कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति , मृत्यु या सेवा छोड़ने के पश्चात भविष्य निर्वाह निधि विनियमों के तहत देय विशेष अंशदान का भुगतान जिस प्रकार हो.
- (एफ) कर्मचारियों को सानुग्रह निवृत्तिवेतन सहित अन्य कोई देय सेवानिवृत्ति /सेवा समाप्ति लाभ एवं भुगतान.

6. निधि का वितरण

कर्मचारी या उनके परिवार सदस्य या उनपर निर्भर व्यक्ति /कानूनी वारिसों को निवृत्तिवेतन विनियमों के प्रावधान के अनुसार देय राशि का भुगतान इस निधि से अध्यक्ष या उपाध्यक्ष अथवा वि.स. एवं मु.ले.अ. अथवा उप मुख्य लेखा अधिकारी अथवा निवृत्ति वेतन निधि न्यास द्वारा इस विशिष्ट काम के लिए प्राधिकृत लेखा विभाग के किसी भी अन्य अधिकारी की सुस्पष्ट मंजूरी के पश्चात ही किया जाएगा.

7. निधि की सीमा

(i) निवृत्ति वेतन, (ii) उपदान, (iii) मृत्यु एवं निवृत्ति उपदान, (iv) परिवार निवृत्तिवेतन (v) सानुग्रह निवृत्तिवेतन आदि देयताओं के भुगतान के लिए बीमांकित मूल्यांकन के आधारपर इस निधि में अधिकतम कितनी राशि संचित की जाए यह निवृत्तिवेतन निधि न्यास के न्यासी समय समय पर तय करेंगे.

8. निधि का निवेश

इस निधि में अंशदान की सभी राशि अथवा ब्याज के रूप में अथवा अन्य रूप में निवृत्तिवेतन निधि में प्राप्त राशि अंशदान प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के अंदर शेंडयूल बैंक में जमा की जाए. इसमें से केवल वही राशि अलग रखी जाए जो समय समय पर न्यास का खर्च पूरा करने के लिए आवश्यक हो. जो राशि निधि के लिए तत्काल आवश्यक न हो वही राशि समय समय यथा संशोधित आयकर नियम 1962 के नियम 67 उपनियम (2) के साथ पठित नियम 85 और नियम 89 के अनुसार समय समय पर निवेश की जाए बशर्ते कि इस तरह से निवेश की गयी मूल राशि और उसपर ब्याज का भुगतान भारत में ही देय हो.

9. अर्थनिर्णय

इस विनियम के अर्थनिर्णय के संबंध में यदि कोई प्रश्न उठे तो उसके निर्णय हेतु न्यासी मंडल के सामने प्रस्तुत किया जाएगा.

अनुलग्नक**न्यास विलेख - मुंबई पोर्ट ट्रस्ट निवृत्तिवेतन निधि**

यह न्यासविलेख निम्नलिखित दोनों के बीच _____ जनवरी 2004 के दिन मुंबई में निष्पादित किया जाता है। बॉम्बे पोर्ट ट्रस्ट अधिनियम, 1873 के तहत संस्थापित तथा तत्पश्चात् बॉम्बे पोर्ट ट्रस्ट अधिनियम 1879 द्वारा; और इस समय महा पत्तन न्यास (संशोधन) अधिनियम, 1974 द्वारा यथा संशोधित महा पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 के तहत शासित, मुंबई पोर्ट न्यासी मंडल जिनका कार्यालय, पोर्ट हाऊस, एस.व्ही. रोड, बेलार्ड इस्टेट, मुंबई - 400 001 स्थित है (इसके आगे इसे "मंडल" कहा जाएगा और आगे चलकर उसमें संदर्भानुसार इसके उत्तराधिकारी तथा निदेशित व्यक्ति भी शामिल होंगे) वह पहले भाग में, और

- (1) अध्यक्ष, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट, पदेन
- (2) उपाध्यक्ष, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट, पदेन
- (3) वित्तीय सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट, पदेन तथा
- (4) सचिव, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट, पदेन
- (5) मंडल में पोर्ट श्रमिकों का प्रतिनिधित्व कर रहे दो न्यासी

इसके आगे जिनका "न्यासी" के रूप में उल्लेख होगा, और इनमें आगे चलकर संदर्भ या आवश्यकतानुसार उनके उत्तराधिकारी तथा न्यासियों द्वारा निदेशित व्यक्ति दूसरे भाग में.

जबकि मंडल एक शतक से अधिक काल से अस्तित्व में है, और पत्तन उपभोक्ताओं को सेवाएँ दे रहा है - तथा उसे आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10(20) के प्रावधानों नुसार आयकर में छूट प्रदान की गयी थी, जो वित्त अधिनियम 2002 द्वारा 1.4.2002 से निकाली गयी है.

जबकि दिनांक 31.3.2003 को मंडल के मास्टर रोलपर लगभग 17021 कर्मचारी हैं तथा दिनांक 31.3.2003 को मंडल लगभग 26845 निवृत्तिवेतनधारकों को निवृत्तिवेतन का भुगतान कर रहा है - तथा जब कि मुंबई पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (निवृत्तिवेतन) विनियमों के अनुसार मंडल को उसके भूतपूर्व कर्मचारियों को निवृत्तिवेतन अदा करने का दायित्व है.

जबकि कर्मचारियों तथा अधिकारियों को सेवानिवृत्ति/तथा सेवा समाप्ति के बाद लाभ प्रदान करने हेतु मंडल के पास बॉम्बे पोर्ट ट्रस्ट अधिनियम 1879 की धारा 22(6ए)(ए) के तहत स्थापित निवृत्तिवेतन निधि है जिसे मण्डल द्वारा उसकी 5.10.1965 को हुई बैठक में न्या.सं.सं. 937 वर्ष 1965 द्वारा मंजूर किया गया था तथा जल-भूतल परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार ने उसके दिनांक 4.11.1966 के पत्र क्र.8-पीई(42)/65 द्वारा मंजूरी दी थी. न्यासियों की दिनांक 11.9.2002 को हुई बैठक में न्यासी.सं.सं. 137 द्वारा मुंबई पोर्ट ट्रस्ट (निवृत्तिवेतन निधि) विनियम 2002 मंजूर किए गए थे. तथा न्यासियों की दिनांक 13.1.2004 को हुई बैठक में न्या.सं.सं. 5 द्वारा उसके प्रस्तावित संशोधनों तथा उक्त उद्देश हेतु अप्रतिसंहार्य न्यास के सृजन को भी मंजूरी दी गयी है बशर्ते कि उसे केंद्र सरकार की मंजूरी प्राप्त हो.

जबकि आयकर अधिनियम 1961 की अनुसूची IV में समाहित प्रावधानों के तहत न्यास को आयकर विभाग का पंजीकरण तथा अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक हो गया है तथा तदनुसार मौजूदा निवृत्तिवेतन निधि के लिए आयकर विभाग का पंजीकरण तथा अनुमोदन प्राप्त करने के लिए आवेदन हेतु यह न्यास विलेख निष्पादित किया जाता है।

"निधि" से तात्पर्य है "मुंबई पोर्ट ट्रस्ट निवृत्ति वेतन निधि" (इसके आगे इसे "निधि" कहकर संबोधित किया जाएगा) जिसका प्रचालन मूलतः इस प्रस्तुति द्वारा अभिशासित किया जायेगा।

जबकि न्यासियों ने इस प्रस्तुति की शर्तों तथा नियमों और विनियमों के अनुसार निधि के न्यासियों के नाते काम देखने के लिए सहमति दिखायी है।

अतएवं यह विलेख इसका प्रमाण है कि :

निधि का प्रशासन

1. न्यास अप्रतिसंहार्य है : यह प्रस्तुति एक न्यास गठित करेगी जिसके बननेपर वह न्यास अप्रतिसंहार्य होगा तथा न्यासियों के पास जो निधि होगा उसमें से कोई भी धन नियमों में किये प्रावधान के अलावा अन्यथा मण्डल द्वारा वसूली योग्य नहीं होगा।
2. नियम : निधि नियमों द्वारा अभिशासित होगा तथा इस प्रस्तुति में किसी नियम का संदर्भ माने वर्तमानतः लागू मुंबई पोर्ट ट्रस्ट (निवृत्तिवेतन निधि) विनियम 2004 तथा मुंबई पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (निवृत्ति वेतन) विनियम तथा इस संबंध में समय समय पर पोत परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी किए गए संशोधनों से होगा, जो कर्मचारी, उनके नामिति तथा न्यासपर बाध्यकर होगा।
3. परिभाषा : जिन शब्दों तथा उक्तियों को नियमों में विशेष अर्थ प्रदान किया गया है, उन शब्दों, उक्तियों का इस प्रस्तुति में प्रयोग करनेपर वही (विशेष) अर्थ होगा।
4. आरंभ की तिथि : मुंबई पोर्ट ट्रस्ट (निवृत्ति वेतन निधि) विनियम 2004 को सरकार की मंजूरी मिलने की तथा तदनुसार अधिसूचना की तिथि से यह निधि निर्मित - लागू हुआ है ऐसा माना जाएगा।
5. निधि : 1.4.2003 को निधि में मंडल के तुलन-पत्र में उल्लिखित 31.3.2003 के अनुसार शेष निवृत्तिवेतन निधि राशि का समावेश होगा। संबंधित तुलनपत्र इस प्रलेख के अनुलग्नक में दिया है। न्यास निधि न्यासियों को सौंपा जाएगा। निधि पर संपूर्ण कब्जा, प्रबंधन तथा नियंत्रण न्यासियों का होगा और इन प्रस्तुतियों या नियमों के बारे में जो भी विवाद या मतभेद उठेंगे उन सभीपर या तो उनके अर्थ निर्णय के बारे में या मण्डल या कर्मचारी या लाभार्थी या उनके नामितियों के अधिकारों तथा कर्तव्य के संबंध में न्यासि निर्णय लेंगे। सभी मामलों में न्यासियों का

निर्णय अंतिम तथा सभी पार्टियों पर बाध्यकर होंगे. आगे यह प्रावधान है कि यदि इन निर्णयों का आयकर अधिनियम 1961 या आयकर नियम 1962 के साथ कोई संबंध आता हो, या असर होता हो, तो उसके बारे में तत्काल आयकर आयुक्त को रिपोर्ट किया जाएगा तथा यदि उनको आवश्यक हो तो न्यासी निर्णय की पुनरीक्षा करेंगे. निधि में मण्डल की ओर से अंशदान, उस अंशदान का संचयन, उस संचयन पर जमा हुआ ब्याज, अर्जित प्रतिभूतियाँ तथा निधि की पूंजी परिसंपत्तियों के अंतरण के कारण यदि पूंजी लाभ हुआ हो तो उनका समावेश होगा.

6. मण्डल को अंशदान करना होगा : भविष्यगत देयताएँ पूरी करने के लिए मंडल नियमों में किये प्रावधान के अनुसार, तथा जीवन बीमा निगम या भारतीय बीमांकिक सोसायटी के साथ पंजीकृत किसी बीमा परामर्शदाताके बीमा मूल्यांकन के आधारपर निधि में अंशदान करने को सहमति देता है. न्यासी उसका उपयोग नियमानुसार निवृत्ति वेतन के भुगतान हेतु करेंगे.
7. मण्डल सभी जानकारी प्रस्तुत करेगा तथा निधि के प्रशासन का संपूर्ण खर्च देगा: निधि से लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से कर्मचारियों के संबंध में सभी विवरण तथा न्यासियों की जरूरतनुसार इस प्रकार की मण्डल के पास उपलब्ध सभी जानकारी मण्डल न्यासियों को प्रस्तुत करने के लिए राजी है. निधि के प्रशासन के संबंध में न्यासी जो भी खर्च करेंगे वह सभी खर्च मण्डल द्वारा उठाया जाएगा. इसमें किसी सचिव या न्यासियों द्वारा नियुक्त किसी व्यक्ति के पारिश्रमिक तथा लेखा परीक्षा शुल्क का भी समावेश है.
8. न्यासियों को निधि में संशोधन का अधिकार - न्यासी किसी भी समय कम से कम चार न्यासियों के हस्ताक्षर के साथ कोई भी लिखित संकल्प देकर तथा मण्डल, भारत सरकार का पोतपरिवहन मंत्रालय तथा आयकर आयुक्त का अनुमोदन लेकर निधि में संशोधन या आशोधन कर सकते हैं. बशर्ते कि इस प्रकार का कोई भी बदलाव या तबदीली निधि के मुख्य उद्देश्य से असंगत नहीं होगी और ना ही किसी भी तरह से किसी कर्मचारी या उसके नामित के अधिकार या हितों के प्रतिकूल होगी. आगे यह भी प्रावधान है कि इस प्रकार का कोई भी बदलाव या तबदीली केवल आयकर आयुक्त की सहमति के बाद ही लागू होगी.
9. मण्डल को निधि के नियमों में संशोधन के अधिकार - न्यासी मंडल को पोतपरिवहन मंत्रालय, भारत सरकार की सहमति से नियमों में परिवर्तन, संशोधन या आशोधन करने के अधिकार हैं और इन संशोधनों को आयकर आयुक्त के अनुमोदन के बाद लागू करना न्यास के लिए न्यायोचित होगा.

यह प्रावधान किया जाता है कि यदि आयकर आयुक्त निधि को अनुमोदन की शर्त के रूप में निधि के आरंभ की तिथि से लागू होनेवाला कोई संशोधन आवश्यक समझता है, तो न्यासियों को उसकी कोई सूचना देना जरूरी नहीं होगा.

10. न्यासियों को मण्डल के निदेशों का पालन करना होगा : इस विलेख या नियमों के तहत जिस मामले के अधिकार मंडल को प्राप्त हैं, ऐसे किसी भी मामले में न्यासी मंडल के संकल्प द्वारा समय समय पर जो निदेश दिये जायेंगे, न्यासियों को उनका पालन एवं उनपर कार्रवाई करनी होगी।

11. निवृत्तिवेतन तथा निवृत्तिवेतन संबंधी लाभ का भुगतान

कर्मचारी की सेवा समाप्ति, मृत्यु या उसकी सेवानिवृत्ति के बाद उसे निवृत्तिवेतन एवं निवृत्तिवेतन संबंधी लाभों का निधि नियमों के अनुसार भुगतान प्रबंध मण्डल की ओरसे न्यासी करेंगे। यह स्पष्ट रूप में बताया गया है कि निधि द्वारा प्रदान किये जानेवाले सभी लाभ केवल भारत में ही देय होंगे।

12. न्यासियों का दायित्व :

न्यासियोंपर किसी भी समय उनके हाथ में वास्तविक जितना धन उपलब्ध होगा, उससे, या नियमों के तहत जितनी राशि देय है उससे अधिक राशि का दायित्व नहीं होगा। निधि से संबंधित कोई कार्यवाही, लागत या खर्च - जो न्यासियों की सहेतू लापरवाही या अप्रामाणिकता के कारण नहीं हुई है - ऐसे कार्यवाही, लागत या खर्च के लिए न्यासी मंडल से छूट /माफी के हकदार होंगे। सही परिकलन, वसूली या मण्डल द्वारा देय अंशदान के लिए न्यासी उत्तरदायी नहीं होंगे ना हि वे कर्मचारी या अन्य किसी के अनुरोध पर ऐसे किसी धन के लिए मण्डल के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए बाध्य होंगे, जो उन कर्मचारियों के विचार से मण्डल ने उनके खाते के लिए न्यासियों को अदा करना चाहिए था। किसी सह-न्यासी द्वारा कोई गैरकानूनी काम किया जाता है, जिससे निधि को वित्तीय घाटा हो, तो उस संबंध में कोई कानूनी कार्यवाही करना न्यासियों के लिए बंधन कारक नहीं होगा।

13. लेखा :

इस निधि के लेखा भारत में रखे जाएंगे और उसमें ऐसी जानकारी समाविष्ट होंगी जो निधि के सभी वित्तीय कार्यसंपादन संबंधी विधि के आवश्यकतानुसार होगी तथा उस रूप में रखी जायेगी, जिस प्रकार न्यासी उचित समझेंगे। निधि के वित्तीय विवरण वित्तीय वर्ष के आधारपर बनाए जाएंगे और भारत के महालेखा परीक्षक तथा नियंत्रक द्वारा उनकी लेखा परीक्षा की जाएगी। भारत के महा लेखा परीक्षक तथा नियंत्रक निधि से संबंधित सभी पुस्तके, कागजात, वाउचर्स, लेखा तथा दस्तावेज देख सकेंगे/प्राप्त कर सकेंगे और प्राप्ति तथा भुगतान लेखा पर न्यासी को लिखित रिपोर्ट करेंगे। लेखा परिक्षित लेखाओं की एक प्रतिलिपि मंडल को प्रस्तुत की जायेगी। आयकर लेखा परीक्षा आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार की जाएगी।

न्यासियों के संबंध में प्रावधान

14. न्यासियों की संख्या कम से कम 6 होगी तथा सिर्फ भारत के निवासी व्यक्ति (व्यक्तियों) को न्यासी (न्यासियों) के रूप में नियुक्त किया जा सकेगा.

15. न्यासियों की नियुक्ति मंडल द्वारा की जाएगी.

न्यासियों की नियुक्ति के अधिकार मंडल के पास होंगे, तथा मंडल ऐसी नियुक्तियाँ करने समय इन प्रस्तुतियों के संबंधी निर्धारित प्रतिबंधों का पालन करेगा. मंडल के पास न्यासियों की संख्या में हुई किसी भी रिक्ति को किसी भी समय भरने के, किसी भी न्यासी को उनके अंतिम ज्ञात पतेपर सात दिनों की लिखित नोटिस देकर तथा सहा न्यासियों को जानकारी देकर उक्त न्यासी को हटाने के अधिकार होंगे. इस प्रकार न्यासी हटाए जाने के कारण उत्पन्न रिक्ति अथवा अन्य कोई रिक्ति भरना न्यास के लिए बाध्यकर नहीं होगा.

16. न्यासियों की सेवानिवृत्ति

न्यासी किसी भी समय मंडल को और निधि के न्यासियों के अध्यक्ष को अपनी सेवा निवृत्ति की इच्छा के बारे में सात दिनों की लिखित नोटिस देकर सेवानिवृत्त हो सकता है.

यदि कोई न्यासी, जो (मंडल का) कर्मचारी है और वह मंडल की सेवा समाप्त करता है अथवा यदि वह स्थायी रूप से भारत छोड़ता है अथवा वह अन्य न्यासियों की राय से बीमारी अथवा अशक्तता अथवा मानसिक दुर्बलता के कारण कार्य करने के लिए **अक्षम** अथवा असमर्थ होता है तो ऐसे किसी भी न्यासी का पद रिक्त किया जाएगा.

17. न्यासियों की बैठकें और गणपूर्ति :

न्यासी कारोबार के संचालन के लिए एकत्रित मिलेंगे और जैसे उचित समझेंगे उनकी बैठकें तथा कार्यवाही स्थगित या अस्थायी नियमित करेंगे. बैठक में दो न्यासियों की उपस्थिति गणपूर्ति होगी.

18. बैठक में मतदान

मण्डलद्वारा न्यासियों में से एक को निधि के न्यासियों का अध्यक्ष नामित किया जाएगा. मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के पदेन अध्यक्ष निधि के न्यासियों के अध्यक्ष होंगे. मण्डलद्वारा न्यासियों में से किसी न्यासी को उपाध्यक्ष नामित किया जाएगा. जो अध्यक्ष के अनुपस्थिति में उनका कार्य देखेगा और अध्यक्ष के सभी अधिकारों का प्रयोग करेगा. बैठक में उपस्थित प्रत्येक न्यासी को बैठक में उठे किसी भी

मामलेपर उन्हें मत देने का अधिकार होगा और यदि मतों में बराबरी होती है तो अध्यक्ष दूसरा अथवा निर्णायक मत देंगे.

19. बहुमत द्वारा निर्णय

बैठक में विचाराधीन सभी मामलोंपर बहुमत द्वारा निर्णय लिया जाएगा. न्यासियों को उनकी किसी बैठक के बिना कोई भी संकल्प पारित करने की छूट होगी, बशर्ते कि वह संकल्प लिखित रूप में प्रमाणित हो तथा परिचालित करने के बाद बहुमत द्वारा पारित किया गया हो.

20. न्यासियों को सचिव की नियुक्ति का अधिकार

न्यासियों को निधि के सचिव के रूप में कार्य करने के लिए किसी भी एक न्यासी को नियुक्त करने के अधिकार होंगे, और इस सचिव को न्यास के प्रबंधन के लिए ऐसे अधिकार प्रदान किये जायेंगे जो न्यासियों द्वारा पूर्ण समझदारी से समय समय पर निर्धारित किए जाएंगे. मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के पदेन वित्तीय सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी निधि के सचिव के रूप में कार्य करेंगे. सुचारु कार्यों के लिए सचिव लेखा विभाग के उप मुख्य लेखा अधिकारी/लेखा अधिकारियों को अधिकार सौंपेंगे जो उनका प्रयोग करने के लिए अधिकृत होंगे. न्यासियों को मण्डल की सहमति से निधि एवं उसकी परिसंपत्तियों के प्रबंधन के संबंध में किसी भी कानूनी लेखा कार्य अथवा अन्य कार्य करने के लिए वह आवश्यक अथवा उचित समझते हैं ऐसे किसी व्यक्ति (व्यक्तियों) को नियुक्त करने के अधिकार होंगे, बशर्ते कि निधि के किसी भी न्यासी को ऐसी सेवाओं के लिए कोई मेहनताना नहीं दिया जाएगा.

21. पावतियाँ, चेक और पत्राचार पर हस्ताक्षर

इस निधि के परिचालन से संबंधित सभी पत्राचार अध्यक्ष अथवा उनकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष तथा दोनों की अनुपस्थिति में सचिव द्वारा किया जाएगा. प्राप्त राशि की पावतियों पर सचिव अथवा इसके लिए अधिकृत उप मुख्य लेखा अधिकारी द्वारा और दोनों की अनुपस्थिति में इसके लिए अधिकृत लेखा अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे. निवृत्तिवेतन निधि से संबंधित वित्तीय कार्यसंपादनो के प्रबंधन के लिए नये बैंक खाते से अध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष अथवा निधि के सचिव अथवा उप मुख्य लेखा अधिकारी अथवा इसके लिए अधिकृत मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के लेखा विभाग के किसी अन्य अधिकारी द्वारा चेक निकाले और हस्ताक्षरित किए जाएंगे. निवृत्तिवेतन निधि से संबंधित वित्तीय कार्यसंपादनो के प्रबंधन के लिए अध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष अथवा निधि के सचिव अथवा उप मुख्य लेखा अधिकारी अथवा मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के लेखा विभाग के अन्य अधिकारी नया बैंक खाता चला सकते हैं.

22. न्यासी की अनुपस्थिति और अन्य न्यासियों के अधिकार

यदि कोई न्यासी अस्थायी रूप में भारत से बाहर रहेगा/रहेंगे तब उनकी अनुपस्थिति के दौरान शेष न्यासियों को न्यास के अधीन कार्य करने के पूरे अधिकार होंगे मानो वो शेष न्यासी ही निधि के सब न्यासी हो.

23. निधि राशि का निवेश

समय समय पर न्यास के व्यय की पूर्तता के लिए रखी जानेवाली आवश्यक रोकड राशि छोड़कर निवृत्ति वेतन निधि की सारी अंशदान राशि अथवा प्रोद्भूत ब्याज अथवा अन्यथा प्राप्त सभी अंशदान, प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के अंदर अनुसूचित बैंक में जमा करनी होगी. निधि के प्रयोजन के लिए तुरंत आवश्यक न होनेवाली सभी राशियों का समयसमय पर यथा संशोधित किए गए आयकर नियम, 1962 के नियम 67 के उप-नियम (2) के साथ पड़े जानेवाले नियम 85 तथा नियम 89 के अनुसार निवेश किया जाएगा, बशर्ते कि निवेश की गयी मूल राशि और उसपर ब्याज भारत में देय हो.

निधि को समाप्त करना

24. निम्नलिखित किसी भी एक घटना में निधि को समाप्त किया जाएगा.

- * न्यास की समाप्ति अथवा विसर्जन होनेपर (यदि यह समाप्ति अथवा विसर्जन एकीकरण, पुनर्गठन अथवा पुनर्निर्माण के उद्देश्य से न किया गया हो)
- * निधि की समाप्ति के लिए न्यासियों को पहले निधि की परिसंपत्तियों का मूल्य प्राप्त करना होगा और निधि की समाप्ति की तिथि से पहले जिन कर्मचारियों की मंडल की सेवा समाप्त हुई हो ऐसे कर्मचारियों से संबंधित बकाया दावें, देयताएं यदि कोई है - उन्हें पूर्ण करने के बाद इस प्रकार प्राप्त मूल्य राशि निधि की समाप्ति तिथि को सेवा में रहनेवाले कर्मचारियों में विनियोजित की जाएगी.
- * उसके बाद न्यासी निधि समाप्ति की तिथि को कर्मचारियों के वेतन तथा उनके द्वारा पूर्ण किए गए सेवाकाल के संदर्भ में नियमों के प्रावधानों के अनुसार निधि के सभी कर्मचारियों को देय निवृत्तिवेतन और निवृत्तिवेतन लाभों की राशि जान लेंगे. यदि प्राप्त की गयी कुल मूल्य राशि उपरोक्त के अनुसार पता लगाए गए निवृत्तिवेतन तथा निवृत्तिवेतन लाभों के संबंधी कुल देयताओं से अधिक है तो न्यासी इस प्राप्त मूल्य राशि में से हर एक कर्मचारी को नियमों के अनुसार देय तथा प्राप्त निवृत्तिवेतन तथा निवृत्तिवेतन लाभों की राशि को अलग रखेंगे और अधिशेष राशि का उपयोग कर्मचारियों को उनके प्राप्त लाभों के अनुपात में अतिरिक्त लाभ देने

के लिये किया जायेगा. यदि प्राप्त की गयी कुल मूल्य राशि उपरोक्त के अनुसार प्राप्त निवृत्ति वेतन और निवृत्ति वेतन लाभों की राशि से कम हो तो कुल मूल्य राशि हर कर्मचारी को उसे प्राप्त निवृत्ति वेतन तथा निवृत्ति वेतन लाभों के अनुपात में विनियोजित की जायेगी, बशर्ते कि न्यासी निधि की समाप्ति के लिए उनके द्वारा की गयी व्यवस्था के संबंध में हमेशा पोतपरिवहन मंत्रालय, भारत सरकार तथा आयकर आयुक्त का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करेंगे.

- * पूर्ववर्ती परिच्छेदों में जो भी बताया गया है उसके बावजूद भी न्यासियों को बीमांकिक से परामर्श करने के, निधि की समाप्ति के लिए किन्हीं अन्य कार्य विधियों तथा सिद्धांतों को अपनाने के अथवा उनकी दृष्टि से उचित एवं उनकी राय में कर्मचारियों तथा नामित व्यक्तियों की इच्छा के अनुरूप व्यवस्था करने अथवा व्यवस्था में सम्मिलित होने के पूर्ण तथा अनियंत्रित विवेकाधिकार होंगे बशर्ते कि ऐसी कोई भी व्यवस्था पोतपरिवहन मंत्रालय, भारत सरकार और आयकर आयुक्त का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के बाद ही की जायेगी.

25. पुनर्निर्माण के लिए न्यास का समापन

स्वेच्छा से अथवा किसी अन्य तत्वों से पुनर्निर्माण, पुनर्गठन अथवा एकीकरण के उद्देश्य के लिए न्यास का समापन किया जाता है तो न्यासी ऐसी व्यवस्था करेंगे अथवा ऐसी व्यवस्था में शामिल होंगे जो पोतपरिवहन मंत्रालय, भारत सरकार और आयकर आयुक्त द्वारा अनुमोदित हो.

26. अधिकार क्षेत्र

यह विलेख अथवा उसमें कोई भी परिवर्तन भारत के विधियों द्वारा नियंत्रित होगा और इसकी न्यास निधि हमेशा भारत में स्थित होगी.

प्रारंभ में उल्लेखित तिथि, माह तथा वर्ष में यह विलेख पार्टियों ने निम्नलिखित गवाहों के समक्ष हस्ताक्षरित, मुहरबंद और निष्पादित किया -

मंडल की ओर से और मंडलद्वारा

श्री. विश्वास सदाशिवराव खडकीकर, प्रबंधक (सेवाएँ, संगठन एवं कार्यविधि), मुंबई पोर्ट ट्रस्ट

दिनांक 13-1-2004 की मंडल संकल्प संख्या 5 के अनुसरण में

निम्नलिखित की उपस्थिति में हस्ताक्षरित, मुहरबंद और सुपूर्द

1. श्री. _____

2. श्री. _____

मुंबई पोर्ट के न्यासी मंडल की सामान्य मुद्रा, कुमारी सरोज गुलाबराय टहिल्यानी, सचिव, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट, की उपस्थिति में लगायी गयी.

हस्ताक्षरित और सुपूर्द

1. श्रीमती राणी अजित जाधव, आय.ए.एस., अध्यक्ष
मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के पदेन
2. श्री. अशोक कुमार बल, आय.आर.एस., उपाध्यक्ष
मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के पदेन
3. श्री. के.के. वैद्यनाथन, वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी,
मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के पदेन
4. कुमारी सरोज गुलाबराय टहिल्यानी, सचिव
मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के पदेन

5. श्री. श्रीकृष्ण रामचंद्र कुलकर्णी,
पत्तन कामगारों के प्रतिनिधि न्यासी
6. डॉ. शांतीलाल गिरीधरलाल पटेल,
पत्तन कामगारों के प्रतिनिधि न्यासी

निम्नलिखित की उपस्थिति में -

1. _____
2. _____

[फा. सं. पी आर -12016/24/2002-पीई-1]

आर. के. जैन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING

(PORTS WING)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st May, 2004

G.S.R. 341(E).— In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 124, read with Sub-Section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Mumbai Port Trust (Pension Fund) Regulations, 2004 made by the Board of Trustees of Mumbai Port Trust as set out in the Schedule annexed to this Notification.

The said Regulations shall come into force from the date of publication of this Notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

MUMBAI PORT TRUST (PENSION FUND)

Regulations, 2004

In exercise of the powers conferred by clause (b) of section 28 of Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of the Port of Mumbai, with the approval of the Central Government, as required by sub-section (1) of section 124 of the said Act, hereby makes the following regulations.

1. Short title and commencement :

- (1) These regulations may be called the 'Mumbai Port Trust (Pension Fund) Regulations, 2004.'
- (2) They shall come into force from the date of notification in the Gazette of India.

2. Definitions : - In these regulations, unless the context otherwise requires : -

- (a) "Act" means the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963);
- (b) "Board" means the Board of Trustees for the Port of Mumbai;
- (c) "Chairman" means the Chairman of the Board;
- (d) "Deputy Chairman" means 'Deputy Chairman' of the Board;
- (e) "Financial Adviser and Chief Accounts Officer" means the Financial Adviser and Chief Accounts Officer of the Board, or such other officer or officers of the Accounts Department as may be nominated by the Chairman from time to time for any specified purpose or purposes;
- (f) "Secretary" means the Secretary of the Board or such other officer or officers of Secretary's Department as may be nominated by Chairman from time to time for any specified purpose or purposes;
- [g] "Trustees on the Board representing port labour" means the Trustees appointed by the Ministry of Shipping from time to time to represent port labour;

- (h) "Employee" means employee of the Board whether permanent or temporary who has retired or superannuated or resigned or died or medically incapacitated from the service under the Board or whose services have been terminated by dismissal or removal or compulsorily retired by the Competent Authority of the Board but does not include any permanent or temporary employee of the Central or State Government or a local body or other authority on deputation with the Board;
- (i) "Fund" means the Mumbai Port Pension Fund constituted under regulation 3 below;
- (j) "General Account" means the general account of the Board;
- (k) "Pension Regulations" means all rules in the Bombay Port Trust Pension Regulations and orders of the Central Government as may be issued from time to time to provide pensions, gratuity and commutation of pension, family pension and ex-gratia pension;
- [l] "Provident Fund Regulations" mean all provisions in the Bombay Port Trust Rules of the Provident Fund as amended from time to time to provide for Board's Special Contribution to Provident Fund Account of employees subscribing to the Contributory Provident Fund;
- (m) "The Trustees" means the first Trustees of the Pension Fund or the survivors or survivor of them or other Trustees or Trustees for the time being hereof;
- (n) "Trust" means the Trust under which the Pension Fund is hereby established.

3. Constitution of the Fund

A fund to be called as 'Mumbai Port Trust Pension Fund' shall be formed after creating an irrevocable Pension Fund Trust Deed to which the following shall be credited.

- (a) Accumulated balance in Pension Fund not exceeding initial contributions specified in Rule 88 of Income Tax Rules, 1962.

- (b) Such annual contribution from the General Account as the Chairman may decide, but not exceeding ordinary annual contribution specified in Rule 87 of Income Tax Rules, 1962 for meeting the future liability of payments on account of payment of pension, commuted value of pension, death-cum-retirement gratuity/gratuity payable under payment of Gratuity Act, 1972, family pension, arrears on account of consolidation and/or review of pension, special contribution to PF A/c. in respect of employees governed by the Contributory Provident Fund Scheme, ex-gratia pension and payment as enumerated in Regulation 5 below.
- (c) Interests and profit on investments belonging to the fund.
- (d) Accumulated Board's contribution in respect of employees governed by contributory Provident Fund Scheme whose cases are settled under Pension Scheme.
- (e) Refund of any excess payment of pension etc. as may be recovered or refunded.
- (f) Any other amount made over to the fund by way of gift or donation.
- (g) Other receipts.

4. Administration of the Fund

The Fund shall be administered by the Pension Fund Trust. Chairman, Dy. Chairman, Financial Adviser and Chief Accounts Officer, Secretary and two Trustees on the Board representing the port labour shall be the first Trustees of the Pension Fund Trust as per the Trust Deed annexed to these regulations.

5. Expenditure from the Fund

Expenditure may be incurred out of the Fund for one or more of the following purposes, namely : -

- (a) Payment of pension and family pension and periodical relief thereon as admissible under the Pension Regulations to the employees or their family members or their dependants/legal heirs as the case may be.

- (b) Payment of gratuity, death-cum-retirement gratuity/ gratuity payable under payment of Gratuity Act, 1972 as may be admissible under the pension regulations to the employees or their family members or their dependants/legal heirs as the case may be.
- (c) Payment of lumpsum commuted value of pension payable to the pensioner as admissible under the pension regulations;
- (d) Arrears on account of consolidation and/or review of pension.
- (e) Payment of special contribution to employees covered by the Contributory Provident Fund Scheme on retirement, death or on quitting service as the case may be and as admissible under the Provident Fund Regulations.
- (f) Any other retirement/terminal benefits payable to employees including *ex-gratia* pension and payment.

6. Disbursement of the Fund

Disbursement shall be made out of the Fund to the employees or their family members or their dependants /legal heirs as per the provisions of the pension regulations under specific sanction of the Chairman or Deputy Chairman or Financial Adviser and Chief Accounts Officer or Dy. Chief Accounts Officer or any other officer of the Accounts Department authorised for this purpose by the Trustees of Pension Fund.

7. Ceiling of the Fund

The maximum amount that may be accumulated in the Fund will be decided by the Trustees of Pension Fund Trust from time to time on the basis of actuarial valuation of liabilities towards payment of (i) pension, (ii) gratuity, (iii) death-cum-retirement gratuity, (iv) family pension, (v) *ex-gratia* pension, etc.

8. Investment of the Fund

All monies contributed to the fund or received or accrued by way of interest or otherwise to the Pension Fund shall, within 15 days from the date of contribution, receipt of accrual as the case may be, be deposited in a scheduled bank excluding the requirement from time to time which may be kept as cash for meeting the expenses of the Trust. All monies that are not

immediately required for the purpose of the fund shall from time to time, be invested in accordance with Rule 85 read with Sub-rule (2) of Rule 67 and Rule 89 of Income Tax Rules, 1962, as may be amended from time to time, provided that the principal so invested and the interest thereon are payable in India.

9. Interpretation

If any question arises relating to the interpretation of these regulations, the same shall be referred to Board of Trustees for decision.

ANNEXURE

TRUST DEED – MUMBAI PORT TRUST PENSION FUND

THIS DEED OF TRUST is executed at Mumbai on this day of January 2004, between the Board of Trustees of Port of Mumbai incorporated under Bombay Port Trust Act, 1873 and thereafter governed by Bombay Port Trust Act 1879 and now governed under the Major Port Trust Act, 1963 as amended by Major Port (amended) Act 1974 having its office at Port House, S.V. Road, Ballard Estate, Mumbai-400001 (hereinafter called "The Board" which expressions shall where the context so admits include its successors and assigns) of the FIRST PART and

- (1) Chairman, Mumbai Port Trust, Ex-officio
- (2) Dy. Chairman, Mumbai Port Trust, Ex-officio
- (3) Financial Adviser & Chief Accounts Officer, Mumbai Port Trust, Ex-officio and
- (4) Secretary, Mumbai Port Trust, Ex-officio
- (5) Two Trustees on the Board representing the Port Labour

hereinafter referred to as the Trustees which expression shall, where the context so admits or requires include their successors and assigns of the Trustees on the SECOND PART.

WHEREAS the Board has been in existence and providing the port services for over a century and was conferred with the exemption from income tax as per the provisions of Section 10(20) of the Income Tax Act, 1961 which has been withdrawn with effect from 1.4.2002 by the Finance Act, 2002.

WHEREAS the Board is employing about 17021 employees and at present paying pension to about 26845 pensioners as on 31.3.2003. ANDWHEREAS the Board is liable to pay pension to its ex-employees in accordance with Mumbai Port Trust Employees (Pension) Regulations.

WHEREAS the Board is having a Pension Fund created under Section 22(6A) (a) of Bombay Port Trust Act, 1879 for providing benefits to its officers/ employees after their retirement and termination from their services as sanctioned by the Board by TR No.937 of 1965 at its meeting held on 5.10.1965 and sanctioned by the Ministry of Surface Transport, Government of India by its letter No.8-PE(42)/65 dated 4.11.1966 and has sanctioned by TR No.137 at its meeting held on 11.9.2002 Mumbai Port Trust (Pension Fund) Regulations, 2002 and has also sanctioned by TR No.5 at its meeting held on 13.1.2004, the amendments proposed to MbPT (Pension Fund) Regulations, 2002 and the creation of an irrevocable Trust for the said purpose subject to Central Government sanction.

WHEREAS it has become necessary for the Trust to obtain the registration and approval of the Income Tax Department under the provisions contained in Schedule IV of the Income Tax Act, 1961 and accordingly this Trust Deed is executed for applying for and to obtain the registration and approval of the Income Tax Department for its existing Pension Fund .

"The Fund" shall mean the Mumbai Port Trust Pension Fund (hereinafter referred to as "The Fund") the operation of which shall be governed primarily by these presents.

WHEREAS the Trustees have agreed to act as Trustees of the Fund as per the terms of these presents and in accordance with the Rules and Regulations.

NOW THIS DEED WITNESSETH THAT :

ADMINISTRATION OF FUND

1. Trust is Irrevocable : These presents shall constitute a Trust upon which the Trust shall be Irrevocable and no moneys belonging to the Fund in the hands of the Trustees shall be recoverable by the Board, except as provided in the Rules.
2. Rules : The Fund shall be governed by the Rules and any reference to the Rules in these presents shall mean the Mumbai Port Trust (Pension Fund) Regulations 2002 and Mumbai Port Trust Employees (Pension) Regulations for the time being in force and amendments thereto issued by the Ministry of Shipping, Government

of India from time to time which shall be binding on the employees, their Nominees and the Trust.

3. Definition : All words and expressions to which special meaning have been given in the Rules have the same meanings wherever they appear in these presents.

4. Date of Commencement : The Fund shall be deemed to have taken effect from the date of sanction of Government to Mumbai Port Trust (Pension Fund) Regulations 2002.

5. The Fund : The funds as on 1.4.2003 shall consist that of the balance of Pension Fund mentioned in the Balance Sheet of the Board as on 31.3.2003, annexed to this Deed. The Trust Fund shall be vested with the Trustees. The Trustees shall have the entire custody, management and control of the Fund and shall decide all differences or disputes which may arise under these presents or under the Rules either as to the interpretation thereof or as to the rights and obligations of the Board or of the employees, the beneficiaries or of their nominees and the decision of the Trustees in all cases shall be final and binding on all parties concerned. Provided further that if the decisions have any bearing on the provisions of the Income Tax Act, 1961 or the Income Tax Rules 1962, it shall be forthwith reported to the Commissioner of Income Tax and if so required by him the Trustees shall review the decision. The Funds shall comprise of contributions from the Board, accumulations of such contribution, interest credited on such accumulations, securities acquired and capital gains, if any, from transfer of capital assets of the Fund.

6. Board to make contribution : The Board agrees to make the contributions to the Fund as provided in the Rules and also based on the actuarial valuation done by Life Insurance Corporation or any consulting actuaries registered with Actuarial Society of India to meet future liabilities and the Trustees shall utilize the same for payment of pension in accordance with the Rules.

7. Board to furnish all information and to pay all the expenses of Administration of the Fund : The Board further agrees to furnish to the Trustees all particulars regarding the employees and such other information as may be in the possession of the Board as the Trustees may require for the purposes of providing benefits under the Fund. All expenses incurred by the Trustees in connection with the administration of the Fund including the remuneration of a Secretary, if any or of a person to be employed by the Trustees and the audit fees shall be borne by the Board.

8. Power to amend the Fund by Trustees : The Trustees may at any time by a resolution in writing signed by not less than two of them and after obtaining the approval of the Board, the Ministry of Shipping, Government of India and the Commissioner of Income Tax, amend or modify the Fund.

Provided that no such alteration or variation shall be inconsistent with the main objects of the Fund nor shall such alteration or variation in any way prejudice the rights or interests of any employee or his nominee. Provided further that any such alteration or variation shall become effective only with the consent of the Commissioner of Income Tax.

9. Board's rights in amending the rules of the Fund : The Board is entitled to bring in changes, amendments, or modifications in the Rules of the Fund with the consent of the Ministry of Shipping, Government of India and it shall be lawful for the Trust to give effect to the amendments with the approval of the Commissioner of Income Tax.

Provided that no notice is required to be given to the Trustees if the Commissioner of Income Tax requires as a condition for approval of the fund any amendment to be made taking effect from the date of commencement of the Fund.

10. Trustees to carry out the directions of the Board : The Trustees shall comply with and carry out such directions as evidenced by Resolutions of the Board as may be given to them by the Board from time to time in relation to any matter with respect to which the Board has power under this deed or under the Rules.

11. Payment of Pension and Pensionary benefits: On behalf of the Board the Trustees shall provide for the payment of Pension and Pensionary benefits on termination of service or death or retirement of the employees or otherwise as provided in the Rules of the Fund. It is expressly provided that all benefits granted by the Funds shall be payable only in India.

12. Trustees Liability : The Trustees shall not at any time be made liable for more moneys than shall have actually come into their hands or for any sums exceeding the amount payable under the Rules. The Trustees shall be entitled to be indemnified by the Board against all proceedings, costs and expenses occasioned in connection with the Fund not arising from their willful negligence or dishonesty. The Trustees shall not be responsible for the correct calculation, recovery or of the contribution payable by the Board nor shall the Trustees be bound at the request of an employee or otherwise to take any proceedings against the Board for money which such employees may

consider should have been paid by the Board to the Trustees on such employees' accounts. It shall not be obligatory on the Trustees to take any legal proceedings against a Co-Trustee for any unlawful act committed by him / her which leads to a financial loss to the Fund.

13. Accounts : The accounts of the Fund shall be maintained in India and shall contain such particulars and in such form as the Trustees shall think proper and as required by law of all financial transactions of the Fund. The financial statements of the Fund shall be prepared on financial year basis and the same shall be audited by the Comptroller and Auditor General of India.

The Comptroller and Auditor General of India shall have access to all books, papers, vouchers, accounts and documents connected with the Fund and shall in writing report to the Trustees on the receipts and payments account. A copy of the audited accounts shall be furnished to the Board.

Tax Audit shall be carried out as per the provisions of Income Tax Act, 1961.

PROVISIONS REGARDING TRUSTEES

14. Number of Trustees:

The number of Trustees shall be at least 6 and only individual(s) resident in India can be appointed as Trustee(s).

15. Appointment of Trustees to be made by the Board:

The power of appointing the Trustees shall be vested with the Board which shall while making such appointments observe the limitations laid down in these presents and the Board shall also have power to fill up at any time any vacancy in the number of Trustees and to remove a Trustee by giving seven days notice in writing to the Trustee at his/her last known address and to the continuing Trustees. The Trust shall be under no obligation to fill the vacancy occasioned in respect of any Trustees so removed or any other vacancy, in the number of Trustees.

16. Retirement of Trustees :

A Trustee may retire at anytime on giving seven days notice in writing to the Board and to the Chairman of the Trustees of the Fund of his / her desire to retire.

The office of Any Trustee shall be vacated if the Trustee being an employee ceases to be in the service of the Board or if he shall permanently leave India or for reasons of illness or infirmity or mental incapacity has become incompetent or incapable to act in the opinion of the other Trustees.

17. Meeting of the Trustees and quorum :

The Trustees may meet together for conduct of business and adjourn and otherwise regulate their meetings and proceedings as they may think fit. Two Trustees present at the meeting shall be a quorum.

18. Voting at meeting :

The Board shall nominate one of the Trustees to be the Chairman of the Trustees of the Fund. The Chairman, Mumbai Port Trust, ex-officio shall be Chairman of the Trustees of the Fund. The Board shall also nominate a Trustee to be the Deputy Chairman who shall act in the absence of the Chairman and exercise all the powers of the Chairman. Each Trustee present at the meeting shall be entitled to one vote on any matter arising thereat and in case of equality of votes the Chairman shall have second or casting vote.

19. Decision by majority :

All matters considered at the meeting shall be decided by a majority of votes. The Trustees shall be at liberty to pass a resolution without any meeting of the Trustees, provided that such resolution shall be evidenced in writing and passed by majority after being circulated.

20. Trustees' power to appoint a Secretary : The Trustees shall have power to appoint any one of the Trustees to act as a Secretary of the Fund and the said Secretary may be vested with such power for management of the Trust as the Trustees may from time to time in their absolute discretion determine. The Financial Adviser and Chief Accounts Officer, Mumbai Port Trust, ex-officio shall act as Secretary of the Fund. For smooth functioning, the Secretary shall delegate powers to the Deputy Chief Accounts Officer/ Accounts Officers of the Accounts Department who shall be authorized for the same. With the consent of the Board the Trustees shall be empowered to employ any person(s) to do any legal accounting or other work which they may consider necessary or expedient in connection with the management of the Fund or the assets thereof. It is however provided that no Trustee of the Fund shall be paid any remuneration for such services.

1621 En/dy

21. Signing of receipts, cheques and correspondence : All correspondence in relation to the operation of this Fund may be conducted by the Chairman or in his absence by the Deputy Chairman and in the absence of both by the Secretary. Receipts for money received may be signed by the Secretary or by the Deputy Chief Accounts Officer authorised by him in this behalf and in the absence of both by the Accounts Officer authorised for the same. Cheques on the new bank account for managing financial transactions relating to Pension Fund may be drawn and signed by the Chairman or the Deputy Chairman or by the Secretary of the Fund or the Deputy Chief Accounts Officer or any other Officer of the Accounts Department, Mumbai Port Trust authorised for the same. The Chairman or Deputy Chairman or the Secretary of the Fund or the Deputy Chief Accounts Officer or any other officer of the Accounts Department, Mumbai Port Trust shall operate the new bank account for managing financial transactions relating to Pension Fund.

22. Absence of a Trustee and power of remaining Trustees : If any Trustee or Trustees shall be temporarily absent from India the Trustee who shall remain in India shall during such absence have full powers to act under the Trust thereof as if they were the only Trustees of these presents.

23. Investment of Fund Moneys : All monies contributed to the Fund or received or accrued by way of interest or otherwise to the Pension Fund shall, within 15 days from the date of contribution, receipt of accrual as the case may be, be deposited in a Scheduled Bank, excluding the requirement from time to time which may be kept as cash for meeting the expenses of the Trust. All monies that are not immediately required for the purpose of the Fund shall from time to time, be invested in accordance with Rule 85 read with sub-rule (2) of Rule 67 and Rule 89 of Income Tax Rules, 1962 as may be amended from time to time provided that the principal so invested and the interest thereon are payable in India.

WINDING UP OF THE FUND

24. The Fund shall be wound up in any one of the following events :

- Upon the winding up or dissolution of the Trust (unless such winding up or dissolution is for the purpose of amalgamation, reconstitution or reconstruction).
- For the purpose of the winding up of the Fund, the Trustees shall first realise the value of the assets of the Fund and amounts so realised shall be allocated in the manner described below to the employees who are in the service of the Board on the date of winding up of the Fund after meeting the liabilities in respect of the outstanding

claims, if any, pertaining to the employees who ceased to be in the services of the Board prior to the date of such winding up.

- The Trustees shall then ascertain the amount of Pension and Pensionary benefits accruing and due to all the employees of the Fund according to the provisions of the Rules by reference to the salary of the employees as on the date winding up and the length of service completed by them. If the total amount realised exceeds the total liability in respect of Pension and Pensionary benefits ascertained as above the Trustees shall earmark for each employee, the amount of Pension and Pensionary benefits accrued and due to him under the Rules out of the moneys realised and utilise the excess to provide additional benefits to the employees in proportions of their accrued benefits. If the amounts so realized is less than the said accrued Pension and Pensionary benefits, as aforesaid, the total amount shall be allocated to each employee in proportion to his accrued Pension and Pensionary benefits. Provided always that the Trustees shall obtain prior approval of the Ministry of Shipping, Government of India and the Commissioner of Income Tax in regard to the arrangements to be made by them for winding up of the Fund.
- Notwithstanding anything whatsoever stated in the foregoing paragraphs, the Trustees shall have absolute and uncontrolled discretion to consult an Actuary and adopt any other methods or principles for the winding up of the Fund or make such arrangements or enter into such agreements as they may deem fit and as shall in the opinion of the Trustees serve as far as may be wishes of the employees and nominees provided that any such arrangements or agreements shall be made only after obtaining the prior approval of the Ministry of Shipping, Government of India and the Commissioner of Income Tax.

25. Winding up of the Trust for reconstruction : In the event of the Trust being wound up voluntarily or for the purpose of reconstruction, reconstitution or amalgamation with any other Entity, the Trustees may make such arrangement or enter into such agreements as approved by the Ministry of Shipping, Government of India and the Commissioner of Income Tax.

26. Jurisdiction : This Deed and any variation thereto shall be governed by the Laws of India and the Trust Fund hereof shall always be located in India.

IN WITNESS WHERE OF THE PARTIES TO THIS DEED HAVE SET THEIR RESPECTIVE HANDS, SIGNED, SEALED AND EXECUTED THIS DEED ON THE DAY, MONTH AND IN THE YEAR FIRST HEREIN ABOVE MENTIONED IN THE PRESENCE OF :

SIGNED, SEALED AND DELIVERED

By and on behalf of Board

Shri V.S. Khadkikar, Manager (SOM), Mumbai Port Trust

Pursuant to Board Resolution No.5 dated 13.1.2004

In presence of

1) Shri _____

2) Shri _____

The Common Seal of the Board of Trustees of the Port of Mumbai was Affixed in the presence of Kum. Saroj G. Tahiliani, Secretary, Mumbai Port Trust.

SIGNED AND DELIVERED

By the above named

- 1) Smt. Rani Jadhav, I.A.S.
Chairman, MbPT Ex-officio
- 2) Shri Ashok Kumar Bal, I.R.S.
Dy. Chairman, MbPT Ex-officio
- 3) Shri K.K. Vaidyanathan,
FA & CAO, MbPT Ex-officio
- 4) Kum. Saroj G. Tahiliani,
Secretary, MbPT Ex-officio
- 5) Shri S.R. Kulkarni, Trustee representing Port Labour
- 6) Dr. Shanti Patel, Trustee representing Port Labour

In presence of

1) Shri _____

2) Shri _____

[F.No.PR-12016/24/2002-PE-1]

R. K. JAIN, Jt. Secy.